योजना | जारी हुईं मास्टर प्लानर के लिए नियम व शर्तें, अगले महीने तक पूरा हो जाएगा मास्टर डवलपर कंपनी का चयन

पीएम मेगा मित्र पार्क में शापिंग काम्प्लेक्स, योग केंद्र होंगे

लखनऊ, विशेष संवाददाता। लखनऊ- हरदोई सीमा पर बनने जा रहे 'पीएम मेगा मित्र पार्क' में वस्त्र व परिधान निर्माण की सारी आधुनिक सुविधाएं तो होंगी, साथ ही यहां कालीन निर्माण केंद्र भी बनेगा। देश-विदेश से आने उद्यमियों, निवेशकों व ग्राहकों की सुविधा के लिए यहां होटल से शापिंग कम्प्लेक्स तक बनेंगे। ढाबा व रेस्तरां बनेंगे। योग केंद्र बनेंगे तो संगीत कक्षाएं भी चलेंगी।

यूपी सरकार इस पार्क के निर्माण, विकास, संचालन व रखरखाव का जिम्मा निजी कंपनी को देगी। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। मास्टर डवलपर के रूप में कंपनी को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इस टेक्सटाइल पार्क में ढेरों सुविधाएं देनी होंगी। मेगा टेक्सटाइल व एपरेल पार्क के लिए विकासकर्ता कंपनी इस परियोजना के लिए साफ्टवेयर व तकनीक उपलब्ध कराएगी। परियोजना की मार्केटिंग, आपरेशन का काम भी होगा। यह पार्क में पर्यावरण संरक्षण पर पूरा फोकस होगा। दुनिया भर की नवीनतम व सर्वश्रेष्ठ तकनीक का इस्तेमाल होगा। यहां इस्तेमाल होने वाले पानी को रिसाइक्लिंग की व्यवस्था होगी। यहां के कचरे से बायो गैस निर्माण की व्यवस्था होगी। कम ऊर्जा खपत वाले ग्लास यहां के दरवाजों व खिड़कियों में इस्तेमाल होंगे।

- ढाबा, बैडमिंटन व टेनिस कोर्ट भी होंगे
- वस्त्र परिधान के साथ साथ कालीन निर्माण केंद्र भी होगा

1000 एकड़ में लखनऊ हरदोई की सीमा पर इस पार्क का निर्माण जल्द शुरू होगा, अधुनिक मशीनों से होगा काम

पार्क के 10 % हिस्से में कामर्शियल जोन

पार्क के कुल हिस्से के अधिकतम 10 प्रतिशत हिस्से में ही कामर्शियल जोन बन सकेगा। इसमें विशाल कन्वेंशन सेंटर होगा। एक पीएम मित्र पार्क का ग्रीडी मॉडल इसी कन्वेशन सेंटर में स्थापित होगा। इसके अलावा प्रदर्शनी हाल, कांफ्रेंस हाल, होटल, लॉज, ढाबा, शापिंग काम्प्लेक्स, खुदरा बाजार, बैंक, एटीएम,भोजनालय, रेस्तरां, ईवी चार्जिंग स्टेशन, कला व शिल्प कार्यशाला आयोजित होंगी।

इन सबकी भी होंगी क्लास

बैटमिंटन व टेनिस कोर्ट, जिम, योग व ध्यान केंद्र व के अलाव डांस व संगीत की कक्षाएं भी आयोजित होंगी। यह पार्क राष्ट्रीय राजमार्ग 30 (लखनऊ-सीतापुर राजमार्ग) व राष्ट्रीय राजमार्ग 27 व राष्ट्रीय राजमार्ग 731 (लखनऊ - हरदोई) से सीधे जुड़ा है। लखनऊ हरदोई की सीमा पर 1000 एकड़ में यह पार्क का निर्माण जल्द शुरू होगा। वस्त्र निर्माण, वीविंग, स्पिनिंग का काम अधुनिक मशीनों से होगा।